संपादन एवं संचालन
एकलव्य
ई-10 शंकर नगर बी.डी.ए. कॉलोनी,
शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) 462 016
फोनः 0755 - 255 0976 0755 - 267 1017
ई-मेलःsrote@eklavya.in

स्रोत

विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

सितम्बर 2009
वर्ष-3 अंक-8 (पूर्णांक 248)

www.eklavya.in

संपादक
सुशील जोशी

सहायक संपादक
अफसाना पठान
अम्बरीष सोनी

उत्पादन सहयोग
इंदु नायर जितेंद्र ठाकुर
राकेश खत्री कमलेश यादव

वार्षिक चंदा 150 रुपए
एक प्रति 15 रुपए
चंदे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें।

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, डी.एस.टी. की एक परियोजना

एक अनुपम खगोलीय घटना - पूर्ण सूर्य ग्रहण	नवनीत कुमार गुप्ता	2
एक अनदेखा सूर्य ग्रहण	डॉ. सुशील जोशी	4
रक्ताधान क्या जानलेवा भी हो सकता है?		7
अंध विश्वास के विरुद्ध आगे आए जादूगर!	भारत डोगरा	8
क्या सुदूर-दृष्टि संभव है? / पौधों का बारकोड		9
शुक्राणु भी वस्तु हैं!		10
कांच पर जमी बूंदों की पहेली	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	11
हिमालय में सुरंग बांधों के खतरे व विकल्प	भारत डोगरा	13
नवजात शिशु भी गिनती जानते हैं		14
एक चमत्कारी मलहम गर्भ से		14
सफेद बाल शायद कैंसर से बचाते हैं		15
दुनिया का सर्वाधिक गंधवाला मसाला	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	16
स्वप्नदृष्टा रसायनज्ञ केकुले	डॉ. सुशील जोशी	18
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीः सामाजिक प्रासंगिकता	गोपाल के. कादेकोडी	21
संधियों से सेहत नहीं सुधरती		25
शोध पत्रिकाएं क्या कंपनियों के विज्ञापन हैं?		26
दुनिया की फसलों को बचाने का अंतर्राष्ट्रीय प्रयास		26
बारिश की बूंदें अनुमान से तेज़ गिरती हैं		27
हिवरेबाज़ार का चमत्कार	नवीन काले	28
क्या निर्णय को टालना बेहतर रणनीति है?		30
क्या लेडयुक्त पेट्रोल ही बेहतर था?		30
रोक के बावजूद थेलेडोमाइड दवा की बिक्री		31
मनचाहा प्रोटीनः जीव विज्ञान में नवनिर्माण	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	32
जीन उपचार में एक नया कदम		34
कोमोडो ड्रैगन का छुपा हथियार विष		34
समय का भान और मनोवैज्ञानिक समस्याएं		35
मलेरिया का खात्मा अब संभव / कैंसर अनुसंधान में जेंडर भेद		36
सनबर्ड की चिपचिपी परेशानी		

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य या रा.वि.प्रौ.सं.पं. का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है।